11

सूक्ष्म लोकः क्वांटम यांत्रिकी की दुनिया

दुनिया को कई स्तरों पर देखा और महसूस किया जा सकता है। एक है धरती से परे एक विशाल दुनिया - ग्रह, तारे, आकाशगंगा की। इतनी विशाल कि दूरबीन और बड़ी संख्याओं से महसूस की जा सके। इसके उलट एक सूक्ष्म लोक है जो अणु, परमाणु, सब-एटॉमिक पार्टिकल से निर्मित है। इस सूक्ष्म स्तर पर ऊर्जा और पदार्थ एक ही होता है। पदार्थ-तरंग के स्वरूप को समझने के लिए कई परिकल्पनाएँ सामने आईं और प्रयोग किए गए। इस सूक्ष्म लोक की समझ पुख्ता करने में मैक्स प्लैंक, आइंस्टाइन, डी ब्रॉगली, श्रॉडिंजर और हाइज़ेनबर्ग की महती भूमिका रही है। क्वांटम यांत्रिकी की इस अद्भुत दुनिया की सैर कीजिए वी.वी. रामन के साथ।

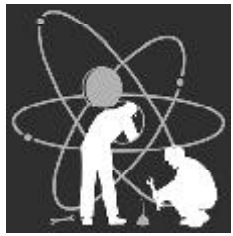

बहुभाषिताः एक कक्षा स्त्रोत

यह एक हकीकत है कि स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे विविध भाषा और बोली समूहों से सम्बन्धित होते हैं। लेकिन स्कूल में पढ़ाई का माध्यम कोई एक खास भाषा होती है। बहुभाषी कक्षा में एकभाषावाद। यानी घरू या आसपास की भाषा की पूरी तरह से उपेक्षा होती है। आम तौर पर माना जाता है कि एकभाषावाद को बढ़ावा ब्रिटिश हुकूमत के दौरान अँग्रेज़ी बनाम देशी भाषाओं के द्वन्द्व के दौरान दिया गया। जो आज भी बदले हुए रूप में प्रशासन की भाषा, प्रादेशिक भाषा के माध्यम से दिखाई देता है।

खैर, यह तो हुई किसी भाषा की सत्ता की बात। एक शिक्षक के रूप में आप अपनी बहुभाषी कक्षा में किस तरह सृजनात्मक माहौल बना सकते हैं, कौन-सी गतिविधियाँ हो सकती हैं जो बच्चों की मातृभाषा या परिवेश से सीखी अन्य भाषाओं-बोलियों को भी कक्षा में स्थान दे सकें? प्रमुख भाषाविद् रमाकान्त अग्निहोत्री ने ऐसे ही कुछ विचारों को इस लेख में पिरोया है।

43

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-28 (मूल अंक-85), मार्च-अप्रैल 2013

इस अंक में

4 | **आपने लिखा**

5 | **हवा के उस भाग की खोज जो जलने...**
सुशील जोशी

11 | **सूक्ष्म लोक: क्वांटम यांत्रिकी की दुनिया**
वी.वी. रामन

29 | **बन्दरों से मनुष्य का विकास**
विनता विश्वनाथन

43 | **बहुभाषिता: एक कक्षा स्रोत**
रमाकान्त अग्निहोत्री

55 | **एक कहानी और एक गीत**
तेजी ग्रोवर

71 | **हिन्दी बालसाहित्य की मुश्किलें**
सुशील शुक्ल

79 | **जीव बूढ़े क्यों होते हैं?...**
सवालीराम

87 | **चाय बागानों के आसपास की दुनिया**
विवेक मेहता

96 | **कक्कु के कारनामे - भाग 3**
पी.के. बसन्त

102 | **समुद्री स्लग की अनोखी मैथुन प्रक्रिया**
अम्बरीष सोनी